ये अव्यक्त इशारे

कर्मयोगी बनो

17-06-2024

जैसे साकार में कहीं भी आने जाने की सहज प्रैक्टिस हो गई है। ऐसे ही आत्मा को अपनी कर्मातीत अवस्था में रहने की भी प्रैक्टिस हो। अभी-अभी कर्मयोगी बन कर्म में आये, कर्म समाप्त हुआ फिर कर्मातीत अवस्था में चले गये। निमित्त मात्र कर्म करने के लिए कर्मयोगी बने फिर कर्मातीत। इसके लिए स्वयं को ट्रस्टी समझ डबल लाइट रहो। जैसे कर्म में आना स्वाभाविक हो गया है, वैसे कर्मातीत होना भी स्वाभाविक हो जाए।

Be a karma yogi.

Just as you have the easy practice of coming and going physically, in the same way, let the soul also have the practice of staying in the karmateet stage. Be a karma yogi one moment and come into action, and, as soon as the action is complete, go into your karmateet stage. Be a karma yogi just for namesake in order to perform actions, and then become karmateet. For this, consider yourself to be a trustee and stay double-light. Just as it has become natural to come into action, in the same way, let it be natural to be karmateet.